Roll No. : .....

Total No. of Questions : **13**] [Total No. of Printed Pages : **4**

BEED–321

B.A. B.Ed. (III Year) Examination, 2023

HINDI LITERATURE

Paper - II (CC-1)

कथा साहित्य

(कहानी और उपन्यास)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **60***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 8 = 16)**

नोट :– सभी **आठ** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 4 × 5 = 20)**

नोट :– सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **4** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 8 × 3 = 24)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–अ

1. (i) 'त्यागपत्र' उपन्यास में किन-किन सामाजिक समस्याओं को उठाया गया है ?

   (ii) 'त्यागपत्र' उपन्यास की सामाजिक समस्याओं को व्यक्त कीजिए।

(iii) 'नमक का दरोगा' कहानी में हमें क्या संदेश मिलता है ?

(iv) 'दु:ख' कहानी में नायक दिलीप को अपने घर का दु:ख क्यों बनावटी सा लगता है ?

(v) चीफ के आने से पहले शामनाथ की सबसे बड़ी समस्या क्या थी ?

(vi) दादा की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब क्यों हो गई थी ?

(vii) 'नौकरी पेशा' कहानी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(viii) 'सरहद के इस पार' कहानी में मानवीय संवेदना के विविध स्वरूपों को व्यक्त किया गया है, स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–ब

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

2. बहुत कुछ जो इस दुनिया में हो रहा है, वह वैसा ही क्यों होता है, अन्यथा क्यों नहीं होता, इसका क्या उत्तर है ? उत्तर हो अथवा न हो, पर जान पड़ता है, भवितव्य ही होता है। नियति का लेख बँधा है। एक भी अक्षर उसका यहाँ से वहाँ न हो सकेगा। वह बदलता नहीं, बदलेगा नहीं। पर विधि का यह अतर्क्य लेख किस विधाता ने बनाया है। उसका उसमें क्या प्रयोजन है—यह भी कभी पूछकर जानने की इच्छा की जा सकती है, या नहीं।

3. नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना, यह तो पीर का मजार है। निगाह चढ़ावे और चादर पर रखनी चाहिए। ऐसा काम ढूँढ़ना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है, जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है। ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है, जिससे सदैव प्यास बुझती है। वेतन मनुष्य देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती। ऊपरी आमदनी ईश्वर देता है, इसी से उसकी बरकत होती हैं, तुम स्वयं विद्वान हो, तुम्हें क्या समझाऊँ।

4. विचार आया, यदि ठंड लग जाने से वह बीमार हो जाए, उसकी हालत खराब हो जाए तो वह चुपचाप शहीद की भाँति अपने दुख को अकेला ही सहेगा। किसी को अपने दु:ख का भाग लेने के लिए नहीं कहेगा। जो उस पर विश्वास नहीं कर सकता, उसे क्या अधिकार है कि उसके दुख का भाग बँटाने आए। एक दिन मृत्यु दबे पाँव आएगी और उसके रोग-के कारण, हृदय की व्यथा और रोग को ले उसके सिर पर सांत्वना का हाथ फेर, उसे शांत कर चली जाएगी। उस दिन जो लोग रोने बैठेंगे, उनमें हेमा भी होगी। उस दिन उसे खोकर हेमा अपने नुकसान का अंदाजा कर, अपने व्यवहार के लिए पछताएगी। यही बदला होगा दिलीप के चुपचाप दुख सहते जाने का।

5. मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों में छल-छल आँसू बहने लगे। वह दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोंछती पर वह बार-बार उमड़ आते जैसे बरसों का बाँध तोड़कर उमड़ आए हों। माँ ने बहुतेरा-दिल को समझाया, हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की, बार-बार आँखें बंद की, मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने में ही न आते थे।

6. धुँधली छाया विलीन हो गई। मैंने देखा दिन काफी चढ़ आया है। पास के लम्बे खजूर के पेड़ से उड़कर एक कौआ अपनी घिनौनी काली आँखें फैलाकर मेरी खिड़की पर बैठ गया। हाथ में अब भी किशन भैया का पत्र काँप रहा है। काली चींटियों-सी कतारें धूमिल हो रही हैं। आँखों पर विश्वास नहीं होता। मन बार-बार अपने से ही पूछ बैठता है "क्या सचमुच दादी माँ नहीं रहीं ?"

7. सफाई के बाद उन्हें पैरों में डालकर कोट-पतलून पहनते हुए पत्नी से बोले—"जरा देख ही आऊँ। असल बात यह है कि साहब का मुझ पर जितना इत्मीनान है, उतना बड़े बाबू पर भी नहीं है। मेरे टाइप से बहुत खुश हैं। कहते थे, इतने जिले घूम आया हूँ पर तुम जैसा होशियार टाइप बाबू नहीं मिला।"

8. नारायणजी का जुम्ला नश्तर चुभो रहा था, "रहते हैं हिन्दुस्तान में, मगर सपने देखते हैं पाकिस्तान के।" दिल चाहा, पटख-पटखकर नारायण को मारकर पूछे, मन्दिरों की मूर्तियाँ डालर और पाउन्ड के लालच में कौन बेचता है ? उसकी बातों की हकीकत को कोई समझना नहीं चाहता है। सब उसे पागल दीवाना कहते हैं। कोई नहीं पकड़ता इन गद्दारों को जो शराफत का लिबास पहनकर दूसरों पर कीचड़ उछालते हैं। उसका खून फिर गर्म होने लगा।

खण्ड–स

9. उपन्यास का अर्थ बताते हुए उसके विकासक्रम पर प्रकाश डालिए।

10. 'त्यागपत्र' उपन्यास की मूल संवेदना को व्यक्त करते हुए उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

11. 'नमक का दरोगा' कहानी की तात्त्विक समीक्षा कीजिए।

12. 'नौकरी पेशा' कहानी के मूलभाव को स्पष्ट करते हुए राधेलाल के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

13. 'सरहद के इस पार' कहानी की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।